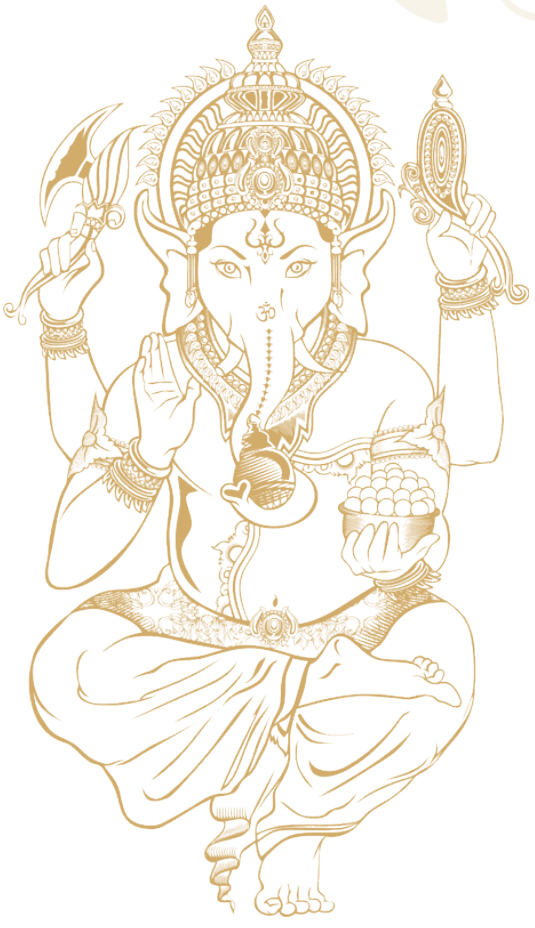

Mr.abhi

Mansi sharma badaun

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119670402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/10/1995	जन्म तिथि	07/07/1996
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	16:25:00 घंटे
घटी 15:54:33	जन्म समय(घटी)	27:25:48 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Bisauli
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:18:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	78:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:14:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:10	सूर्योदय	05:23:24
17:44:46	सूर्यास्त	19:14:53
23:48:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 19वर्ष 5मा 23दि	26:23:41	धनु	लग्न	वृश्चि	14:00:26	बुध 15वर्ष 8मा 29दि
चन्द्र	02:37:21	तुला	सूर्य	मिथु	21:46:58	शुक्र
13/04/2021	13:40:45	सिंह	चंद्र	मीन	17:38:57	07/04/2019
14/04/2031	05:47:21	वृश्चि	मंगल	वृष	23:40:32	07/04/2039
चन्द्र 11/02/2022	14:28:17	कन्या	बुध	मिथु	17:02:48	शुक्र 06/08/2022
मंगल 12/09/2022	19:57:06	वृश्चि	गुरु व	धनु	18:34:25	सूर्य 06/08/2023
राहु 13/03/2024	18:37:00	तुला	शुक्र	वृष	18:28:08	चन्द्र 06/04/2025
गुरु 13/07/2025	25:05:19	कुंभ व	शनि	मीन	13:28:49	मंगल 06/06/2026
शनि 12/02/2027	02:43:00	तुला	राहु व	कन्या	18:31:27	राहु 06/06/2029
बुध 13/07/2028	02:43:00	मेष	केतु व	मीन	18:31:27	गुरु 05/02/2032
केतु 11/02/2029	02:48:22	मक	हर्ष व	मक	09:29:41	शनि 07/04/2035
शुक्र 13/10/2030	29:02:16	धनु	नेप व	मक	02:51:30	बुध 04/02/2038
सूर्य 14/04/2031	05:23:58	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	06:49:49	केतु 07/04/2039

लग्न-चलित

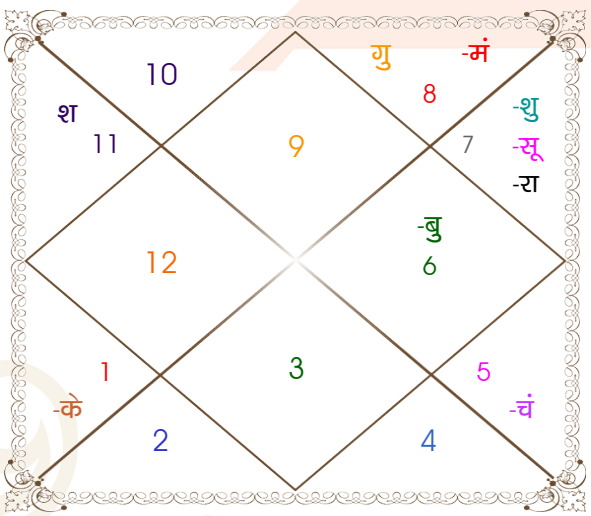

लग्न-चलित

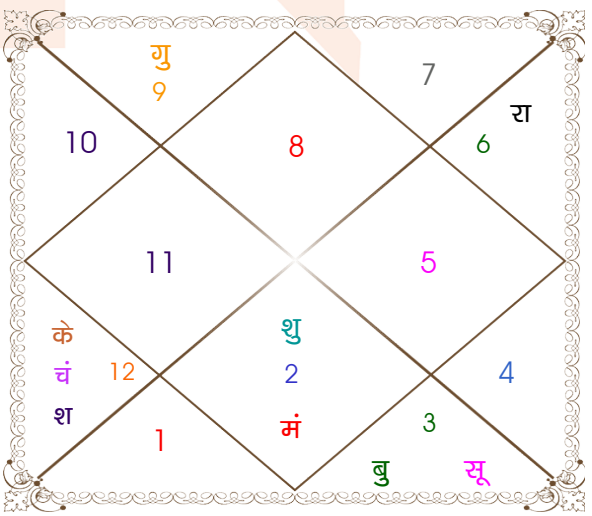

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.abhi का वर्ग मूषक है तथा Mansi sharma badaun का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.abhi और Mansi sharma badaun का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.abhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.abhi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mansi sharma badaun मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mansi sharma badaun कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mansi sharma badaun कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.abhi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.abhi तथा Mansi sharma badaun में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।